साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 5 । अंक : 23 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 16 जनवरी से 22 जनवरी 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

बाइक चोरी, केस दर्ज

गोंदिया –रामनगर थाने के तहत इंडियन बैंक रामनगर के सामने रखी बाइक चोरी हो गई. बताया गया कि संजयनगर पिंडकेपार निवासी फिर्यादी खेमराज रामचंद शरणागत (42) ने अपनी बाइक क्र. एमएच 35 – एएम 4887 इंडियन बैंक रामनगर के आगे रखी थी. जहां से अज्ञात व्यक्ति ने चुरा ली. पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

टी -14 बाघिन के 20 माह के शावक का मिला शव

नवेगांव-नागझिरा वनक्षेत्र के कोहका भानपुर जंगल की घटना

बुलंद गोंदिया। नवेगांव–नागझिरा संरक्षित वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वन विभाग के कोहका भानपुर जंगल परिसर में 14 जनवरी की सुबह की टी –14 बाघिन के 20 माह के शावक का शव मिला।

गौरतलब है की जिले के संरक्षित वन क्षेत्र में सरकार द्वारा बाघों की संख्या बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है जिसमें कुछ हद तक सफलता मिलती दिखाई दी, लेकिन साथ ही बाघों की मौत गत कुछ दिनों में जिले में बढ़ जाने से बाघों के संवर्धन व संरक्षण पर सवालिया निशान लगाते दिखाई दे रहे हैं। 14 जनवरी की सुबह नवेगांव–नागझिरा संरक्षित वन क्षेत्र गोंदिया वन विभाग के अंतर्गत आने वाले कोहका भानपुर मार्ग पर टी– 14 बाघिन के 20 माह के शावक का शव दिखाई दिया जिसकी जानकारी मिलते ही वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचकर इस घटना की पुष्टि की।

उल्लेखनिय है कि नवेगांव–नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प के बफर क्षेत्र से यह क्षेत्र बाहर है जहां शावक की मौत हुई है लेकिन वह बाघों के आवागमन का गलियारा है। इस शावक की मौत किन कारणों से हुई है फिलहाल स्पष्ट कारण का खुलासा नहीं हो पाया है। वन विभाग के अधिकारियों द्वारा चिकित्सकों से मिले प्राथमिक अहवाल के अनुसार उसकी तबीयत खराब होने से या ठंड लगने से मौत होने का कारण बताया जा रहा है। विशेष यह है कि गत कुछ दिनों में गोंदिया– चंद्रपुर– भंडारा –नागपुर के संरक्षित वन क्षेत्र में बाघों की मौत का प्रमाण काफी बढ़ चुका है जिससे उनकी मौत का कारण क्या है यह एक काफी संवेदनशील मुद्दा बन चुका है तथा इसकी कड़ाई से जांच होकर खुलासा होना चाहिए।साथ ही गत सप्ताह भंडारा जिले के तुमसर वन क्षेत्र के अंतर्गत एक बाघ की करंट लगाकर टुकड़ों में हत्या की गई थी।

7 पोकलैंड 4 टिप्पर सहित 3 करोड़ 42 लाख रुपए का माल जप्त

» 11 आरोपियों पर मामला दर्ज जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की संयुक्त कड़ी कार्रवाई

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के रेती घाटों से बड़े पैमाने पर अवैध रूप से रेत माफियाओं द्वारा रेती का अवैध रूप से उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है। जिससे शासन को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। जिस पर लगाम लगाने के लिए शनिवार 11 जनवरी को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से कड़ी कार्रवाई करते हुए 7 पोकलैंड 4 टिप्पर सहित 3 करोड़ 42 लख रुपए का माल जप्त कर 11 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

गौरतलब है की जिले में रेती व गौण खनिज खनन का कार्य बड़े पैमाने पर अवैध रूप से चल रहा है जिसमें माफियाओं द्वारा राजस्व को नुकसान पहुंचाने के साथ ही आए दिन गैंगवार जैसी घटनाएं भी घटित हो रही है। गोंदिया जिले के तिरोडा तहसील के अंतर्गत वैनगंगा नदी के घाटों से रेती का अवैध उत्खनन बड़े पैमाने पर कर उसका परिवहन कर बिक्री की जा रही थी इस संदर्भ में अनेकों बार शिकायत दर्ज करवाई थी लेकिन स्थानीय प्रशासन के सहयोग से ही यह अवैध कारोबार जोर–जोर से चल रहा है ।

इस मामले में जब जिलाधिकारी वह पुलिस अधीक्षक को जानकारी मिली तो 11 जनवरी शनिवार को दोहपर 12 बजे के दौरान जिलाधिकारी प्रजीत नायर व पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के मार्गदर्शन में घाटकुरोडा व घोगरा घाट पर छापामार कार्रवाई की गई। इस छापामार कार्रवाई के दौरान नदी किनारे से अंदाजा 70 से 100 मीटर के अंतर पर पोकलैंड मशीन व टिप्पर मशीन की सहायता से रेती का उत्खनन कर परिवहन करने के साथ ही परिसर में बड़े पैमाने पर उत्खनन कर रेती को डंप किया गया था जिसकी जप्ती की कार्रवाई प्रशासन द्वारा की गई। उपरोक्त कार्रवाई दोपहर 12ः00 बजे सुरु की गई जो देर रात तक चली तथा घटनास्थल पर जिलाधिकारी प्रजित नायर वह पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे स्वयं उपस्थित थे तथा प्रशासन एक अधिकारियों व पथक में तहसील कार्यालय तिरोडा के तहसीलदार व कर्मचारी पुलिस थाना तिरोडा के पुलिस निरीक्षक व अधिकारी व कर्मचारी के दल द्वारा यह कार्रवाई की गई। उपरोक्त मामले में फरियादी नारायण ठाकरे तहसीलदार तिरोडा की शिकायत पर अवैध रूप से रेती की चोरी करने के मामले में तिरोडा पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ कलम303(2), 62, 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत 11 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया तथा आगे की जांच पुलिस निरीक्षक तिरोडा के अमित वानखेड़े के मार्गदर्शन में पुलिस उप निरीक्षक कोड द्वारा की जांच की जा रही है।

जिले में गौण खनिज का बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन व परिवहन

गोंदिया जिले में रेती के साथ–साथ अन्य गौण खनिज रेती , मुरूम, बजरी, गिट्टी ,मट्टी आदि का बड़े पैमाने पर अवैध रूप से उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है। जिससे राजस्व को तो करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है किंतु स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को कर्मचारियों के जेब में प्रति माह लाखों रुपए की रिश्वत पहुंच रही है। बेख़ौफ़ होकर उत्खनन माफिया जिले की बेस कीमती खनिज संपदाओ का दोहन कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के साथ–साथ राजस्व को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

हालांकि जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई इस कड़ी कार्रवाई के चलते कुछ समय तक इन माफिया पर अंकुश लगाया जा सकता है लेकिन वह फिर से निरंकुश होकर दुगनी गति से अवैध उत्खनन में जुट जाएंगे।

यात्रियों की सुरक्षा व आपदा में तत्काल सहायता पहुंचाना रेल प्रशासन का लक्ष्य- डीआरएम दीपक कुमार

गोंदिया जंक्शन पर मेगा मॉकड्रिल

बुलंद गोंदिया। भारतीय रेल दुनिया में सबसे बड़ी रेल सेवा में मानी जाती है जिसमें कभी–कभी दुर्घटना भी घटित हो जाती है इस दौरान यात्रियों के जान माल की रक्षा वह उन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराना ही रेलवे प्रशासन का मुख्य लक्ष्य है यह कथन नागपुर रेल मंडल के डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता द्वारा गोंदिया जंक्शन में आयोजित मेगा मॉकड्रिलके अवसर पर कहा।

गौरतलब है कि भारतीय रेल सेवा दुनिया की सबसे बड़ी सेवा है जिसमें लाखों ट्रेन प्रतिदिन चलने के साथ ही करोड़ों यात्री इसमें यात्रा करते हैं जिनकी जानमाल की सुरक्षा करना भी रेलवे प्रशासन की मुख्य जिम्मेदारियां में शामिल है। जिसके लिए रेलवे प्रशासन द्वारा समय–समय पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाती है हालांकि यह मॉकड्रिल रेलवे प्रशासन द्वारा साल में चार बार रेलवे कर्मचारियों के साथ आयोजित होती है लेकिन समय–समय पर मेगा मॉकड्रिल एनडीआरएफ वह स्थानीय रेलवे प्रशासन एनडीआरएफ व रेलवे प्रशासन की सभी यंत्रणा व स्थानीय प्रशासन के साथ आयोजित की जाती है।

5 वर्षों के बाद गोंदिया में 09 जनवरी 2025 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर रेल मंडल के डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता के नेतृत्व मेंआयोजित मेगामॉकड्रिल गोंदिया के लोको सेंड में आयोजित की गई थी। जिसमें जानकारी दी गई की जबलपुर से गोंदिया की ओर आने वाली पैसेंजर ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई है जिसकी एक बोगी में 30 यात्री फंसे हुए हैं जिन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए गोंदिया से रिलीफ ट्रेन वह सभी यंत्रणा को रवाना किया गया। इस दुर्घटना में 30 यात्री यो में से दो यात्रियों की मौत, 3 गंभीर जख्मी वह 11 मामूली जख्मी हुए तथा शेष 15 यात्रियों को मामूली चोटे आने पर प्राथमिक उपचार उपचार किया गया तथा गंभीर ज़ख्मियों को जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए भेजा गया। इस हादसे में रेलवे प्रशासन के नियमानुसार मृतकों को वह ज़ख्मियों को सहायता राशि घोषित की गई। . गोंदिया जंक्शन पर आयोजित मेगा मॉक ड्रिल नागपुर डिवीजन के डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित की गई थी इस मार्ग ड्रिल में एनडीआरएफ के 25 जवान, पुलिस व स्वास्थ्य प्रशासन के कर्मचारियों सहित डेढ़ समेत 150 कर्मचारी शामिल हुए।

उल्लेखनीय की रेलवे प्रशासन द्वारा अपनी समस्त यंत्रना की सजगता की जांच के लिए समय–समय पर यह मॉक ड्रिल की जाती है तथा एक निश्चित अंतराल पर मेगा मॉकड्रिल का आयोजन होता है जिसमें समस्त यंत्रणाओं की चुस्ती फुर्ती वह आपदा के समय यात्रियों को सहायता उपलब्ध कराने की तत्परता परखने के लिए आयोजित की जाती है।

बियर बार एंड रेस्टोरेंट को बंद करने महिलाओं का यलगार

फर्जी नाहरकत प्रमाणपत्र से सुरु बार रेस्टोरेंट को अविलंब बंद करने की मांग

बुलंद गोंदिया। (सवांददाता सालेकसा)–

सालेकसा तहसिल अंतर्गत ग्राम पंचायत लटोरी में लिल्हारे बीयर बार एंड रेस्टोरेंट को अविलंब बंद करने के लिए ग्राम सभा का आयोजन किया गया जिसमें गांव के सभी पुरुष व महिलाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया. देवरी आबकारी विभाग द्वारा ग्राम पंचायत में पहुंचकर आधार कार्ड तथा पहचान पत्र के माध्यम से हस्ताक्षर कर बंद करने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें गांव के 95% लोगों ने बंद करने के लिए अपना पक्ष रखा. व तत्काल बंद करने के लिए कडी चेतावनी दी।

ग्राम निवासियों ने आरोप लगाया कि लिल्हारे बार इन रेस्टोरेंट के मालिक सेवेंद्र लिल्हारे असईटोला ने फर्जी कागजात व ग्राम पंचायत के फर्जी नाहरकत प्रमाणपत्र तथा सदस्यों की जाली सही कर लाइसेंस प्राप्त किया गया है। जिसके कारण उनका लाइसेंस तुरंत रद्द कर लिल्हारे बार एंड रेस्टोरेंट को बंद कर उसके खिलाफ जालसाजी फर्जी कागजात बनाने के लिए उस पर फौरन मामला दर्ज किया जाए तथा लाइसेंस को तत्काल रद्द कर ऐसी मांग ग्राम पंचायत के सरपंच,उपसरपंच,पोलिस पाटिल व सभी सदस्यों व गांववासियों ने की है।. ग्रामीनो ने यह भी आरोप लगाया गया है कि शराब के कारण कई जिंदगीया छिनी तो कई परिवारों को उजाड़ दिया है. किशोर अवस्था में ही सैकड़ो युवा नशे की गर्त में चले गए हैं। स्कूल वह कॉलेज जाने वाली लड़कियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सुधार की तरफ बढ़ रही ग्राम पंचायत को शासन और प्रशासन ने आबकारी नीति का हवाला देकर दरकीनार कर लाइसेंस दिया है। गांव के नौजवान युवकों को नशे की लत से बचने तथा परिवारों को बर्बादी रोकने, तथा घर उजड़ने से रोकने के लिए कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए ऐसी मांग की जा रही है। लिल्हारे बीयर बार इन रेस्टोरेंट के मालिक सेवेंद्र लिल्हारे के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर लाइसेंस रद्द किया जाए ऐसी मांग की जा रही है.ऐसा न करने पर तीव्र आंदोलन की चेतावनी भी ग्रामवासियों की ओर से दी गई है.जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन,प्रशासन विभाग की रहेगी ऐसी मांग की गई है।

ग्राम पंचायत के फर्जी नकागजात की जरिए बीयर बार एंड रेस्टोरेंट खोला गया है. हमने लिखित निवेदन थानेदार सालेकसा, पुलिस अधीक्षक गोंदिया, आबकारी विभाग देवरी और गोंदिया को बीयर बार एंड रेस्टोरेंट बंद करने के लिए निवेदन दिया है।

– रामबत्ती रक्से,
सरपंच लटोरी।

गांव में लिल्हारे बीयर बार एंड रेस्टोरेंट को बंद करने के लिए ग्राम सभा के माध्यम से तत्काल अविलंब बंद करने के लिए सभा का आयोजन किया गया था जिसमें महिलाओं व पुरुषो ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया. गांववासियों ने एकमत से बंद का समर्थन किया है।

– वामन मेश्राम
उपसरपंच लटोरी।

सड़क किनारे शराब दुकान होने के कारण आने जाने वाले को परेशानी होती है कई बार यहां शराबी व्यक्ति के द्वारा छेड़खानी की भी शिकायत की गई है. बार बंद कर लाइसेंस रद्द किया जाना चाहिए.

– सोनमत लिल्हारे
पोलिस पाटिल लटोरी

दीवार ढहने से महिला की मृत्यु

गोंदिया –गोरेगांव तहसील अंतर्गत ग्राम बबई निवासी महिला निलवंता भाऊदास सयाम (47) के ऊपर दीवार गिर गई थी। उसे केटीएस सामान्य अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया है। यह घटना 12 जनवरी को घटी। मामले की जांच पुलिस नायक सुनिल भांडारकर कर रहे हैं।

सेंटरिंग के पट्टी से मारकर किया घायल

गोंदिया –सेंटरिंग के पट्टी से मारकर घायल करने का मामला सामने आया है. जानकारी के अनुसार आमगांव थाने के तहत रिसामा निवासी फरियादी गितलाल गणपत रहिले (40) के घर पर आरोपी कमलेश तरोणे (50) व अन्य मित्र पार्टी कर रहे थे. आरोपी के अपनी प्लेट में चिकन के ज्यादा पीस लेने पर विवाद हो गया. जिस पर आरोपी ने बाहर से सेंटरिंग की पट्टी लाकर आरोपी के सिर पर प्रहार किया.

हमले में किसान घायल

गोंदिया–छिपिया जंगल परिसर में जंगली सुअर के हमले में कामठा निवासी किसान ललित बंभुरे (52) घायल हो गया. उसे गोंदिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है.

संपादकिय...

कर्मचारी या गुलाम चाहिए

आज नौकरी बनाम परिवार, खुद की जिंदगी के समीकरणों पर बात करेंगे। औद्योगिक सोच और शोषण की प्रवृत्ति भी स्पष्ट होती जाएगी। यह सवाल भी खुलता जाएगा कि हमारी कंपनियां, अंततः, विश्वस्तरीय क्यों नहीं हैं? लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) एक बहुराष्ट्रीय समूह है और देश की शीर्ष 100 कंपनियों में उसका नाम आता है। कंपनी में 59,000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। उनके अलावा, दिहाड़ीदार मजदूर भी कंपनी की परियोजनाओं से जुड़े रहते हैं। कंपनी का सालाना टर्नओवर कई लाख करोड़ रुपए का है। ऐसे औद्योगिक समूह के चेयरमैन सुब्रह्मण्यम की इच्छा है कि कंपनी के कर्मचारी सप्ताह में 90 घंटे काम करें। वे रविवार को भी दफ्तर आएं। एक शीर्ष उद्योगपति का यह विचार निरर्थक नहीं हो सकता। उन्होंने बेमतलब ही यह विचार व्यक्त नहीं किया है। बेशक वह अत्यंत प्रतिभाशाली, बौद्धिक, मेहनती, अन्वेषक उद्योगपति हैं, जिन्होंने इतनी बुलंदियां छुई हैं, लेकिन उनकी इच्छा में कई सवाल भी निहित हैं। कर्मचारी 90 घंटे, सातों दिन, काम करें, लेकिन वेतन वही रहेगा। सालाना बढ़ोतरी भी औसतन 1.7 फीसदी ही होगी, लेकिन चेयरमैन का वेतन 51.05 करोड़ रुपए सालाना है। अर्थात 14 लाख रुपए हर रोज..! उनकी वेतन-वृद्धि भी 43 फीसदी है। औसतन कर्मचारी का सालाना वेतन 9.7 लाख रुपए है और महिला कर्मचारी को 6.7 लाख रुपए ही मिलते हैं। दरअसल हमारी चिंता और सरोकार किसी औद्योगिक समूह के कर्मचारियों के वेतन तक ही सीमित नहीं हैं। हम किसी मजदूर आंदोलन के पैरोकार भी नहीं हैं और न ही कथित वामपंथी हैं। सवाल यह है कि देश के शीर्ष उद्योगपतियों की औसत कर्मचारी को लेकर सोच क्या है? उन्हें कामगार चाहिए अथवा जरखरीद गुलाम चाहिए? बहुराष्ट्रीय कंपनी इंफोसिस के संस्थापक उद्योगति नारायणमूर्ति ने भी कुछ साल पहले बयान दिया था कि यदि देश को तरक्की करनी है, तो कर्मचारियों को सप्ताह में कमोबेश 70 घंटे काम करना चाहिए। एल एंड टी के चेयरमैन की इच्छा 90 घंटे के कर्मचारी की ही नहीं है, बल्कि वह कामगारों के घर में ताक-झांक कर तंज भी कसते हैं-घर में बैठकर क्या करोगे? कितनी देर तक पत्नी को निहारोगे और पत्नी तुम्हें निहारेगी? चलो, दफ्तर आओ और काम करो। सवाल यह भी है कि आज का कर्मचारी क्या 'जंगली प्राणी' है, जिसके कुछ पारिवारिक दायित्व ही नहीं हैं? यदि वह सप्ताह में 90 घंटे नौकरी ही करेगा, तो रोजाना की नींद लेने, रोजाना के कार्यों से निवृत होने, नाश्ता और डिनर करने, बच्चों को स्कूल छोडने, बीमार माता-पिता को डॉक्टर तक ले जाने, घर से दफ्तर और दफ्तर से घर लौटने के घंटों के बाद उसके पास अपने लिए कितना समय बचेगा? शायद जिंदगी ही छोटी पड़ जाए! क्या सुब्रह्मण्यम ने अपनी जिंदगी के बारे में कभी आत्मचिंतन किया है? चिकित्सा के विभिन्न शोधों के निष्कर्ष हैं कि यदि मनुष्य लगातार काम ही करता रहेगा, तो वह हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, मानसिक असंतुलन सरीखी बीमारियों का शिकार हो सकता है।

नगर परिषद में चुनाव की सरगर्मी शुरू पूर्व पार्षदों का भी बैठकों पर लगा ध्यान

मतदाता पंजीयन के लिए राजनीतिक दलों में होड़

गोंदिया-विधानसभा चुनाव के बाद अब नगर परिषद चुनाव को लेकर सभी उत्साहित हैं. कई लोग जो खुद को भावी पार्षद मानते हैं, इस चुनाव की तैयारी कर रहे हैं. इसे ध्यान में रखते हुए, कई लोगों ने मतदाताओं के साथ बैठकें शुरू कर दी हैं. ये भावी पार्षद पहले से ही नये मतदाताओं की तलाश में हैं. उन्होंने नये मतदाताओं के पंजीकरण के लिए एक अलग प्रणाली स्थापित की है तथा वे घर घर जाकर मतदाताओं का पंजीकरण कर रहे हैं. इसलिए इस नगर परिषद चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ने की संभावना है. स्थानीय स्वशासन निकायों में ओबीसी आरक्षण को लेकर कानूनी लड़ाई चल रही है. इसलिए, पिछले ढाई वर्षों से नगर परिषद चुनाव स्थगित कर दिया गया है. कई स्थानों पर प्रशासक शासन प्रभावी है. गोंदिया नगर परिषद के पार्षदों और पदाधिकारियों का कार्यकाल 2022 को समाप्त हो गया. तब से नगर परिषद में प्रशासक राज के अधीन है. इस बीच, राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन और नागरिक भी मांग कर रहे हैं कि नगर परिषद चुनाव जल्द से जल्द कराए जाएं. कई लोग इस चुनाव को घुटने टेककर लड़ने के लिए तैयार हैं. वर्तमान और पूर्व पार्षदों सहित कई युवा कार्यकर्ता इस चुनाव में मैदान में उतरेंगे.

इसमें विधानसभा चुनावों के लिए रंगारंग रिहर्सल भी की गई है. वर्तमान और पूर्व पार्षदों ने अपने वार्ड सुरक्षित कर लिए हैं, जबकि कुछ ने नए वार्ड तलाश लिए हैं. इसमें बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता शामिल हैं. चुनाव लड़ने के इच्छुक कई लोगों ने काम करना शुरू कर दिया है. कुछ इच्छुक उम्मीदवार अपने वार्ड में नए मतदाताओं की तलाश कर रहे हैं. इसके लिए इच्छुक उम्मीदवार के तीन-चार कार्यकर्ता घर-घर जाकर नए मतदाताओं के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं.

मामा-भांजा मेले में क्षयरोग को लेकर किया गया जनजागरण

गोंदिया-सड़क अर्जुनी तहसील के गिरोला (हेटी) में प्रतिवर्ष मामा-भाचा (भांजा) देवस्थान समिति की ओर से मामा भाचा यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा गोंदिया-भंडारा की सीमा पर होती है। इसमें दोनों जिलों के श्रद्धालु बड़े पैमाने पर आते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोड़शिवनी अंतर्गत गिरोला उपकेंद्र में होने से स्वास्थ्य की दर्जेदार सुविधा प्रदान की जाती है।

यात्रा के दो दिनों में आरोग्य वर्धिनी गिरोला उपकेंद्र के माध्यम से स्वास्थ्य प्रदर्शनी व शिविर का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान मामूली रूप से जख्मी मरीजों का प्रथमोपचार किया गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे राष्ट्रीय स्वास्थ्य, विविध योजनाओं का प्रचार स्वास्थ्य कर्मचारियों ने किया। जिले में फिलहाल क्षयरोग प्रसार का प्रमाण कम करने व मृत्युदर को रोकने के उद्देश्य से भारत सरकार ने वर्ष 2025 तक देश को क्षयमुक्त करने के लिए 24 मार्च 2025 तक 100 दिवसीय क्षयरोग अभियान चलाया जा रहा है। जिसकी जनजागृति संपूर्ण जिले में की जा रही है। मामा भाचा यात्रा में हजारों श्रद्धालु भेंट देते हैं। इससे स्वास्थ्यवर्धिनी केंद्र के समुदाय स्वास्थ्य अधिकारी डा. कल्याणी राऊत, स्वास्थ्य सहायक ठाकरे, स्वास्थ्य सेविका वंदना भोवते व आशा जैतवार, आशा सेविका वर्षा पंचभाई, कौतुका मरस्कोल्हे, प्रीति वैद्य, अंशकालीन महिला परिचर प्रतिमा तागड़े ने स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करा मामुली बीमारियों पर प्रतिबंधात्मक सेवा दीं। उसी प्रकार तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डा. प्रणित पाटील की तहसील स्तरीय टीम ने यात्रा में भेंट देकर क्षयरोग अभियान का जनजागरण किया।

सीएस मोहबे को कारण बताओ नोटिस, महाराष्ट्र आयुर्विज्ञान आयोग ने किया जारी

गोंदिया, ब्यूरो. सीएस मोहबे द्वारा अनगिनत अनियमितताओं पर भारत सरकार की केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सचिव अनीता बिलॉन्ग द्वारा महाराष्ट्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग के मुख्य सचिव को सीएस मोहबे के मामले में तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही की गई कार्रवाई को लिखित में शिकायतकर्ता को देने के आदेश दिए हैं. इसके साथ ही यह मामला भारत सरकार ने नेशनल मेडिकल काउंसिल के एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड को भेजा है. राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग ने महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल को पत्र लिखकर कहा है कि इंडियन मेडिकल काउंसिल के क्लोज 8.2 साल 2002 के अनुसार प्रोफेशनल मिसकंडक्ट और नेगलिजेंस का मामला है जिस पर डिसीप्लिनरी एक्शन लेना जरूरी है और यदि मोहबे अपनी सफाई नहीं दे पाए तो मोहबे पर उनके रजिस्ट्रेशन रद्द की गाज गिर सकती है. महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल ने हाल ही में सीएस मोहबे को कारण बताओ नोटिस में पूछा है कि जो भी सर्टिफिकेट्स मृत लोगों को काउंटर साइन करके उनके द्वारा दिए गए हैं क्या उनका कोई रिकॉर्ड उनके पास है और यदि अनफिट सर्टिफिकेट उनके द्वारा दिए गए हैं तो किस आधार पर दिए गए हैं. उनके खून जांच की रिपोर्ट यदि वे भर्ती थे तो उनका एडमिट कार्ड आदि महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल ने 15 दिन के अंदर मोहबे से स्पष्टीकरण मांगा है. जितने भी दस्तावेज सीएस मोहबे द्वारा मृत व्यक्तियों के नाम पर दिए गए हैं उन सभी का किसी भी प्रकार का रजिस्ट्रेशन केटीएस जिला सामान्य अस्पताल में नहीं किया गया था क्योंकि भ्रष्टाचार के चलते मोहबे अपने निजी फायदे के लिए इस तरह के सर्टिफिकेट केवल पैसे लेकर काउंटर साइन करके दे दिया करते थे.

राज्य शासन को भी लगाया चूना

नियमानुसार ऐसे सर्टिफिकेट के लिए उनका पंजीयन कर 50 रु. शुल्क के साथ काउंटर साइन किया जाता है. लेकिन मोहबे ने शासन को भी चूना लगाने का काम किया है. इस पूरे मामले में यदि महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल मोहबे का रजिस्ट्रेशन रद्द करता है तो मोहबे की नौकरी जाना तय माना जा रहा है. इन सभी मामलों में डा. मोहबे लगातार डाक्टर बाजपेई से संपर्क साधकर उनसे अपनी शिकायतें वापस लेने का दबाव डाल रहे हैं और साथ ही उन्हें अलग-अलग प्रलोभन दे रहे हैं.

महिला शक्ति पर ही परिवार निर्भर, अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का क्षितिजा त्रिदिवसीय कार्यक्रम आयोजित

आमगांव - अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की सभा का आयोजन विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा हुआ. आथित्य नागपुर जिला महिला संगठन और नागपुर नगर माहेश्वरी महिला समिति ने किया. सभा में सर्वप्रथम सुबह 10 बजे उद्यम वाटिका मेले का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बागड़ और महामंत्राणी ज्योति राठी ने किया. विदर्भ प्रदेश की अध्यक्ष सुषमा बंग, सचिव नीलिमा मंत्री ने कहा कि यह मेला महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत गृह उद्यमी बहनों के लिए आयोजित था. राष्ट्रीय संगठन की त्रयोदश सत्र द्वितीय कार्यकारिणी बैठक के उपरांत 4 बजे क्षितिजा का शुभारंभ माहेश्वरी समाज के आराध्य भगवान उमा महेश का पूजन और महेश वंदना के साथ कंचन नितिन गडकरी ने किया. प्रमुख अतिथि सत्यनारायण नुवाल, पुरुषोत्तम मालू, श्रवण मालू, श्यामसुंदर सोनी, रमेश रांधड़ और शरद सोनी उपस्थित थे. स्वागत अध्यक्ष लता मोहता और स्वागत मंत्री मीना सावल थी. इस अवसर पर कंचन गडकरी ने कहा कि महिला शक्ति पर ही परिवार निर्भर है. एक कठोर मां परिवार को अनुशासन में रखकर नई दिशा दे सकती है. मंजू बांगड़ ने क्षितिजा का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा प्रत्येक नारी क्षितिजा है. जो सागर जैसी विशाल बाधाओं को पार कर आकाश को छूने का हौसला रखती है. ज्योति ने पांचो अंचलों के उपाध्यक्ष और सह सचिव से आवाहन किया कि आप अपने-अपने अंचलों को ऊपर उठाएं. जो प्रदेश कमजोर है उनका भ्रमण करें. प्रदेश से अंचल और अंचल से राष्ट्र मजबूत होता है. स्वागत अध्यक्ष लता ने ता ने कहा कि इस सुंदर जीवन में सकारात्मक रहे. कर्म निष्ठा से करें सफलता निश्चित है. मीना सावल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की. सुषमा बंग ने शब्दसुमन से सभी का स्वागत किया. शाम 7 बजे पवन बसंती अति सुंदर कार्यक्रम हुआ. इस कार्यक्रम में अतिथि रमेश मंत्री, सुशीला मंत्री थी. संचालन नीलिमा मंत्री, पूर्णिमा काबरा, माधुरी मोदी, ललिता मंत्री ने किया. 15 बच्चियों को अखिल भारतीय द्वारा लैपटॉप वितरण किया गया. बाल व किशोरी विकास समिति की ज्योति बाहेती और वैजयंती माहेश्वरी ने इस कार्य को बखूबी निभाया. द्वितीय दिवस विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ. सर्वप्रथम महिलाओं के संपूर्ण विकास के लिए चल रहे ट्रस्ट के ट्रस्टियों की सभा हुई. प्रमुखता से रतनी मां गीता मूंदड़ा, ललित मालपानी और मीना सावल उपस्थित थी. त्योहारों का रंग मीठी मारवाड़ी के संग, कार्यक्रम हुआ. इसमें सभी अंचलों ने नृत्य प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया. प्रदेश द्वारा महाराष्ट्र की संस्कृति के अनुसार हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम लिया गया. इसके यजमान रेखा हेडा (अमरावती) थीं. ब्रह्माकुमारी बीके सुनीता दीदी ने खुशी या तनाव आप स्वयं करें, विषय पर मार्गदर्शन दिया. उन्होंने कहा मानसिक रूप से स्थिर रहकर सफलता के शिखर पर पहुंच सकते हैं. संघर्ष की प्रेरणा लिए विभिन्न नारी शक्तियों से रूबरू कराता कार्यक्रम हां मैं हूं स्वयं सिद्धा के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त चयनित महिलाओं के द्वारा प्रेरणादायक प्रस्तुति दी गई. इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि निवृत्ति चांडक, सरोज रमेश रांदड़, सीमा प्रदीप कोठारी सम्मानित अतिथि सुशीला पुरुषोत्तम मालू तथा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा सादानी रहीं. जज की भूमिका में मनोज्ञा लोहिबाल, कनिका माहेश्वरी व रूपल मोहता थी. संचालन गिरिजा सारडा ने किया. प्रथम स्थान रुपाली लड्ढा गांधी ने प्राप्त किया. लता लड द्वारा चेयर योगा का प्रशिक्षण दिया गया. कीर्ति भुराड़िया को शक्ति वंदनम सम्मान से सम्मानित किया गया. मोहिनी देवी मोहता, किरण मूंदड़ा का सत्कार हुआ.

कार्यकर्ताओं का सम्मान

तृतीय दिन का समापन विदर्भ प्रदेश द्वारा अपनी पूर्व अध्यक्ष वर्तमान में ट्रस्ट की सचिव का उनकी अमूल्य सामाजिक सेवा के लिए जीवन गौरव पुरस्कार सत्कार से किया. एक छोटे से गांव खापरखेड़ा से आकर भी यदि प्रतिभा है तो उसके बल पर व्यक्ति आसमान छू सकता है यह मीना ने सिद्ध किया. अखिल भारतीय के उपक्रम वस्त्रम में आई 15786 साड़ियों का वितरण संपूर्ण प्रदशों को किया गया. ज्ञान सिद्धा समिति का विविधादर्पण कार्यक्रम हुआ. इसका संचालन अनसूया मालू ने किया. जज के रूप में राकेश, विनोद नायक और शीला तापड़िया आमंत्रित थी. समापन सत्र में माहेश्वरी महिला संगठन ने प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया. जिले से सुनीता मल्ल, वैजयंती माहेश्वरी, संगीता टावरी का सत्कार हुआ. रचना पनपालिया, कविता कलंत्री, ज्योति चांडक, संतोष चांडक, किरण चांडक, वर्षा चांडक, सुनीता, किरण, दीपा मुंदड़ा, अरुणा चितलांग्या आदि उपस्थित रहीं. समापन सत्र में प्रमुख रूप से महासभा के पूर्व सभापति श्याम सोनी उपस्थित थे. यह जानकारी प्रचार प्रसार प्रमुख सुनीता मल्ल, पूनम झंवर मीनू भट्टड़, ज्योति मंत्री ने दी.

कुड़वा में विकास कार्यों का भूमिपूजन

गोंदिया-ग्राम पंचायत कार्यालय कुड़वा में मकर संक्रांति पर्व पर सांसद प्रफुल पटेल के प्रयासों से 2 करोड़ 28 लाख रु. के नागरी सुविधा व अन्य योजनाओं के विविध विकास कार्यों का भूमिपूजन पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने किया. जिले के पालकमंत्री, जिला समाज कल्याण सभापति पूजा सेठ, सरपंच श्री. बाळकृष्णा लक्ष्मीचंद पटले बालकृष्ण पटले की पहल से ग्राम कुड़वा में विविध विकास कार्य मंजूर किए गए. इस अवसर पर ग्राम कुड़वा में पुलिस चौकी मंजूर की जाए ऐसी मांग ग्रामीणों ने की. इस पर सांसद पटेल के माध्यम से जल्द ही मंजूर करने के लिए प्रयास करने तथा आने वाले समय में कुड़वा व परिसर की प्रगति व विकास के लिए प्रयास करने का आश्वासन जैन ने दिया. भूमिपूजन पर कमलनाथ फरदे, दिलीप गौतम, सुंदरीबाई तांडेकर, तेजेश्वरी पतेह, नूतन वाडेगांवकर, कीर्ती उके, अनिल जगणित, पायल बागडे, पन्नालाल डहारे, जयश्री ढोमणे, शांतकला लटये, संदीप कडुकर, गीता चौधरी, वैशाली विंचूरकर, उपेंद्र पारधी सहित ग्राप पदाधिकारी उपस्थित थे.

शहर के बाहरी क्षेत्रों में गंदा पानी जमा होने से बढ़ी मच्छरों की तादाद

नियमित साफ-सफाई न होने से गंदगी पसार रही पैर

गोंदिया-शहर के बाहरी क्षेत्रों में पिछले अनेक वर्षों से नालियों का निर्माण नहीं किया गया है जिससे नागरिकों के घरों के पानी की निकासी की समस्या सामने आ रही है. यह पानी सड़कों पर बहते हुए नजर आता है. उसी प्रकार खुले स्थान पर भी मकानों का गंदा पानी जमा रहता है. जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ गई है. जनप्रतिनिधियों द्वारा इस ओर गंभीरता से ध्यान देकर तत्काल नालियों का निर्माण कराया जाए. ऐसी मांग क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही है. उल्लेखनीय है कि शहर के बाहरी क्षेत्र में स्थित कॉलोनी के साथ ही गौरीनगर, सुंदर नगर, बायपास रोड़ के पास स्थित कॉलोनी परिसर में अनेक नागरिकों ने नए मकानों का निर्माण किया है. उसी प्रकार प्रशासन की ओर से सीमेंट सड़कों का निर्माण किया गया है. लेकिन नालियों का निर्माण नहीं कराया गया. जिससे नागरिकों के मकानों का पानी निकासी नहीं हो पाता. ऐसे में मकानों के किनारे ही गंदा पानी जमा रहता है. गंदे पानी की वजह से मच्छरों की पैदावार हो रही है. उसी प्रकार संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है.

नालियों की मांग की ओर अनदेखी

इस विषय में नागरिकों ने जनप्रतिनिधियों से कई बार नाली निर्माण की मांग की. इसके बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. जिससे अनेक वर्षों से नागरिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. बारिश के दिनों में तो मकानों के अंदर ही पानी प्रवेश कर जाता है. जनप्रतिनिधियों द्वारा जल्द से जल्द इस ओर ध्यान देकर नालियों का निर्माण कराया जाए, ऐसी मांग क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही है.

पुलिस ने 41 मोबाइल लौटाए

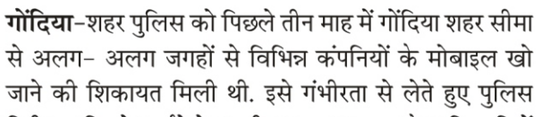

गोंदिया-शहर पुलिस को पिछले तीन माह में गोंदिया शहर सीमा से अलग- अलग जगहों से विभिन्न कंपनियों के मोबाइल खो जाने की शिकायत मिली थी. इसे गंभीरता से लेते हुए पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते ने स्थानीय अपराध शाखा के अधिकारियों को वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग कर खोए मोबाइल खोजने के निर्देश दिए थे. जिसके अनुसार स्थानीय अपराध शाखा के अंमलदार अशोक रहांगडाले, कुणाल बारेवार ने खोए हुए मोबाइल केंद्र शासन के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर एप्लीकेशन पर खोए हुए मोबाइल के आवेदन अपलोड किया व 2 लाख 46 हजार रु. के कुल 41 मोबाइल बरामद किए गए. यह मोबाइल मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर 13 जनवरी को उपविभागीय पुलिस अधिकारी रोहिणी बानकर व पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते के हस्ते मालिकों को लौटाए गए. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा, उपविभागीय पुलिस अधिकारी रोहिणी बानकर के मार्गदर्शन में शहर थाने के पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते, डी.बी. दल के हवलदार जागेश्वर उईके, कवलपालसिंग भाटिया, सुदेश टेंभरे, सतिश शेंडे, निशिकांत लोंदासे, दीपक रहांगडाले, प्रमोद चव्हाण, सिपाही अशोक रहांगडाले, दिनेश बिसेन, सुभाष सोनवाने, मुकेश रावते, कुणाल बारेवार, प्रमोद शेंडे, सोनू नागपुरे, साइबर सेल के सहायक पुलिस निरीक्षक ओमप्रकाश गेडाम, अंमलदार संजू मारवाडे, योगेश रहिले, रोशन येरणे ने की.

करोड़ों रुपए की लागत से बना कलपाथरी प्रकल्प बना शोपीस

गोंदिया-करोड़ों रुपए खर्च कर कलपाथरी मध्यम प्रकल्प का निर्माण किया गया। इसके लिए हजारों किसानों ने अपनी जमीन दीं लेकिन अनेक किसान इस प्रकल्प के लाभ से वंचित हैं। यह प्रकल्प आज शोभा की वस्तु बन कर रह गया है। यह प्रकल्प सरकार द्वारा 1,915 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई के लिए तैयार की गई थी। आज इस प्रकल्प से मात्र 500 हेक्टेयर क्षेत्र को ही लाभ मिल रहा है। शेष 1415 हेक्टेयर क्षेत्र के किसान प्रकल्प की सुविधाओं से वंचित हैं। गोरेगांव तहसील में सिंचाई की कोई सुविधा नहीं है। इसलिए यहां की खेती बारिश के पानी पर निर्भर है। किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के इरादे से कलपाथरी मध्यम प्रकल्प मंजूर की गई थी। सरकार ने बड़े पैमाने पर निधि भी उपलब्ध कराई जिससे किसानों को उम्मीद थी कि उनके गांव में सिंचाई की स्थायी सुविधा उपलब्ध होगी। लेकिन उनका तर्क गलत साबित हुआ। यह प्रकल्प इस उम्मीद के साथ तैयार की गई थी कि 1,915 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के तहत लाया जाएगा, लेकिन वास्तव में केवल 500 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के तहत लाया गया है। 1,415 हेक्टेयर क्षेत्र के किसान सिंचाई की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कलपाथरी प्रकल्प का पानी नहरों के माध्यम से मोहाड़ी, बबई, कमरगांव और चोपा के किसानों तक पहुंचाया जाता है। लेकिन इस प्रकल्प का पानी तेलनखेड़ी, घुमर्रा, पलखेड़ा, तुमसर, निम्बा, टेढ़ा, तिल्ली, मोहगांव, हौसीटोला आदि गांवों के किसानों तक नहीं पहुंच पाता है। इन गांवों के लिए बनाई गई नहरों की ऊंचाई अधिक होने के कारण पानी नहीं मिल पा रहा है। हीराटोला, मसगांव, देवाटोला, पंचवटी, दवड़ीपार, बोटे, झंझिया तक बनाई गई नहर से प्रकल्प का पानी नहीं पहुंच रहा है। यह समस्या वर्षों से बनी हुई है तथा कुछ नहरों में कचरा जमा होने के कारण बंद हैं।

नहरों की हालत खराब

यहां के जन प्रतिनिधि सिंचाई को लेकर कई आश्वासन देते हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश कलपाथरी प्रकल्प का लाभ किसानों को नहीं मिल पा रहा है। संबंधित विभाग के अधिकारी नहर की मरम्मत में लापरवाही बरत रहे हैं, जिसका असर किसानों पर पड़ रहा है। कलपाथरी प्रकल्प से 1915 हेक्टेयर सिंचाई का लाभ होगा वहीं किसानों की समस्या का समाधान होगा। लेकिन, जनप्रतिनिधि व संबंधित विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण यहां के किसानों को प्रकल्प के पानी से वंचित होना पड़ रहा है।

घर में घुसकर 67,500 का माल चोरी

भंडारा-घर में कोई नहीं होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोर ने घर में घुसकर 67,500 रुपये का सामान चोरी करने की घटना कामना सिटी बेला में घटी. फरियादी अमान फिरोज पठाण (24) घर को ताला लगाकर काम पर गए थे. इसी दौरान चोर ने घर के दरवाजे का ताला तोड़कर 30,000 रुपये नकद और 37,500 रुपये का मंगलसूत्र चोरी कर लिया. इस मामले में भंडारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

मेडिकल के संविदा कर्मियों का अनशन शुरू, पिछले 5 माह से नहीं मिला वेतन

गोंदिया-शासकीय मेडिकल कॉलेज, केटीएस जिला सामान्य अस्पताल और बीजीडब्ल्यु शासकीय महिला अस्पताल में एनर्जी गो स्मार्ट सर्विस कंपनी के अधीन 504 संविदा कर्मचारी काम कर रहे हैं. पिछले पांच महीनों से वेतन न मिलने के कारण इन कर्मचारियों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है. इस मुद्दे पर बार-बार ध्यान आकर्षित करने के बावजूद अस्पताल व्यवस्थापन और कंपनी ने कोई ध्यान नहीं दिया है. जिसके तहत संविदा कर्मचारियों ने 13 जनवरी से मेडिकल कॉलेज के सामने अनशन शुरू कर दिया है. शासकीय मेडिकल कॉलेज, केटीएस जिला सामान्य अस्पताल और बीजीडब्ल्यु शासकीय महिला अस्पताल में एनर्जी गो स्मार्ट सर्विस कंपनी के तहत कुल 504 कर्मचारी काम कर रहे हैं. इन कर्मचारियों के वेतन के लिए हर महीने एक करोड़ रु. की निधि की आवश्यकता होती है. लेकिन कंपनी के अधीन काम करने वाले इन कर्मचारियों का वेतन पिछले पांच महीने से बकाया है. संविदा कर्मचारियों ने बकाया वेतन के संबंध में अस्पताल व्यवस्थापन और कंपनी से बार-बार संपर्क किया.

केवल मिल रहा आश्वासन

लेकिन पिछले पांच महीनों में उन्हें आश्वासनों के अलावा कुछ नहीं मिला है. पांच महीने का वेतन न मिलने से कर्मचारी आर्थिक संकट में फंस गए हैं और उनके सामने बैंक की किस्त, बच्चों की स्कूल फीस और अपने परिवार का भरण-पोषण कैसे करें, यह सवाल खड़ा हो गया है. कुछ कर्मचारी किराने का सामान व अन्य सामान उधार लेकर आते है, लेकिन अब दुकानदार भी उनसे पैसे मांग रहे हैं. इससे कर्मचारियों के लिए दुविधा पैदा हो गई है. पीड़ित संविदा कर्मचारियों ने बकाया वेतन के लिए दुविधा पैदा हो गई है. पीड़ित संविदा कर्मचारियों ने बकाया वेतन के लिए 13 जनवरी से मेडिकल कॉलेज के सामने अनशन पर जाने की चेतावनी दी थी. लेकिन अस्पताल व्यवस्थापन व कंपनी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया गया. जिसके बाद 13 जनवरी से संविदा कर्मचारियों ने मेडिकल कॉलेज में सामने आंदोलन शुरू कर दिया.

2 दिवसीय युवा चेतना जागृति शिविर हुआ

गोंदिया-संजय गांधी प्राथमिक विद्यालय लोधिटोला (घिवारी) में युवाओं को जागृत करने के लिए दो दिवसीय युवा चेतना जागृति शिविर आयोजित किया गया जिसमें 40 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. जिसमें विभिन्न विषयों की कार्यशाला के साथ प्रोजेक्टर व वक्ताओं ने मार्गदर्शन किया. विवेक बैस ने अपने सेशन में युवा छात्र-छात्राओं को हेल्थ अवेयरनेस फिटनेस व किशोरावस्था से संबंधित विभिन्न जानकारी दी. इसी तरह अन्य शिक्षकों ने अलग-अलग विषयों पर विभिन्न प्रकार की जानकारी से अवगत कराया. जैसे व्यक्तित्व परिष्कार में सुनील व राम ने वैज्ञानिक अध्यात्मवाद का समन्वय किशोर अवस्था की स्वास्थ्य चुनौतियों पर समाधान, छात्र व छात्राओं की काउंसलिंग कर उनमें उत्साह व उमंग, आत्मविश्वास जगाकर व्यक्ति परिवार व समाज की सेवा राष्ट्र सेवा के लिए करने प्रेरित किया और छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक की प्रैक्टिस कर विभिन्न विषय जैसे पर्यावरण संतुलन पंचतत्व और विज्ञान जल संरक्षण प्रकृति की शुद्धता सुरक्षा के उपाय बताएं. गोंदिया गायत्री शक्तिपीठ के वरिष्ठों के माध्यम से व गोंदिया जिला युवा संगठन के युवाओं द्वारा संचालित यह कार्यक्रम किया गया. युवा चेतना जागृति शिविर के आयोजन पूरे गोंदिया तहसील में हो रहा है. स्वामी विवेकानंद जयंती पर संकल्प लिया गया युवा संगठन से जुड़े रहे हैं और उन्हें अपने गांव में भी इस शिविर से बहुत कुछ सीख मिले.

सभापति-उपसभापति का चुनाव होगा 20 को सभापति पद महिला के लिए हुआ आरक्षित

तुमसर-पंचायत समिति सभापति एवं उपसभापति पद के लिए 20 जनवरी को चुनाव लेने की तिथि तय किए जाने से भाजपा एवं राकांपा के इच्छुक दावेदारों ने अपनी फील्डिंग लगाना शुरू कर दी है. ढाई वर्ष पूर्व हुए पंस के चुनाव में 20 सदस्यीय पंस में भाजपा 10, राकांपा 6, कांग्रेस 3 एवं 1 शिवसेना सदस्य चुनकर आए थे, उस दौरान भाजपा में दो फाड़ होकर कांग्रेस के सहयोग से भाजपा के नंदू रहांगडाले सभापति एवं कांग्रेस के हीरालाल नागपूरे उपसभापति बने थे. अबकी बार सभापति पद सर्वसाधारण महिला के लिए आरक्षित होने से भाजपा की ओर से सभापति पद के लिए हसारा पंस की पल्लवी कटरे, सुशीला पटले, आशा लांजे, निशा उईके एवं राकांपा की दीपिका गौपाले, दीपमाला भवसागर, मीनाक्षी शहारे, आम्रपाली पटले भी उम्मीदवार हो सकते हैं. कांग्रेस के पास महिला उम्मीदवार नहीं होने से भाजपा अथवा राकांपा ही महिला सभापति बनेंगी. वैसे तो सर्वाधिक सदस्य भाजपा के होने से उनका ही सभापति बनने की संभावना व्यक्त की जा रही है, यदि इस चुनाव में विधायक राजू कारेमोरे द्वारा जोर आजमाइश की गई तो राकांपा की महिला भी सभापति बन सकती हैं. वर्तमान में सभापति एवं उपसभापति के चुनाव को लेकर निर्वाचित सदस्यों में काफी उत्सुकता दिखाई दे रही है. अब देखना यह है कि, किसके गले में सभापति पद की माला पहनाई जाती है.

पिपरिया-गल्लाटोला मार्ग बदहाली का शिकार

सालेकसा-जिले के अधिकांश मार्ग बदहाल हो चुके हैं। जिसका खामियाजा वाहन चालको को भुगतना पड़ रहा है। संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है। इस कारण ऐसे मार्गो पर आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो रही हैं। ऐसा ही एक मार्ग पिपरिया-गल्लाटोला का बताया गया है। इस मार्ग पर अनेक स्थानों पर गड्ढे हो गए हैं। इससे वाहन चालकों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि तहसील अंतर्गत मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा के पास स्थित पिपरिया-गल्लाटोला मुख्य मार्ग की हालत बहुत खराब हो गई है और इसे तत्काल मरम्मत करने की आवश्यकता है। सड़क का निर्माण महज 2 वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत लगभग 5 करोड़ की लागत से किया गया था। इस सड़क के निर्माण के लिए जुलाई 2019 में मंजूरी मिली थी और दिसंबर 2019 में इसका टेंडर जारी किया गया था। मार्च 2020 में कार्यारंभ आदेश प्राप्त होने के तुरंत बाद कोविड-19 महामारी के

देशव्यापी प्रकोप के कारण सड़क निर्माण रोक दिया गया था। कोरोना की स्थिति सामान्य होते ही सड़क निर्माण कार्य पुन: शुरू हो गया। लेकिन अल्प समय में ही सड़क बदहाली का शिकार हो गई। जिससे वाहन चालकों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं तो इस मार्ग पर छोटी-बड़ी दुर्घटना आए दिन होती है। इस दौरान बड़ी दुर्घटना होने की आशंका भी जताई गई है। संबंधित विभाग को इस मामले की जानकारी दे दी गई है। चर्चा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि संबंधित ठेकेदार इस सड़क की मरम्मत करेगा। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार, ठेकेदार को कार्य प्रारंभ होने की देशव्यापी प्रकोप के कारण सड़क निर्माण रोक दिया गया था। कोरोना की स्थिति सामान्य होते ही सड़क निर्माण कार्य पुन: शुरू हो गया। लेकिन अल्प समय में ही सड़क बदहाली का शिकार हो गई। जिससे वाहन चालकों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं तो इस मार्ग पर छोटी-बड़ी दुर्घटना आए दिन होती है। इस दौरान बड़ी दुर्घटना होने की आशंका भी जताई गई है। संबंधित विभाग को इस मामले की जानकारी दे दी गई है। चर्चा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि संबंधित ठेकेदार इस सड़क की मरम्मत करेगा। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार, ठेकेदार को कार्य प्रारंभ होने की तिथि से 5 वर्ष तक सड़क का रखरखाव करना अनिवार्य है। मार्च 2025 में निर्माण कार्य के 5 वर्ष पूरे होंगे। इसलिए, यदि इस सड़क की मरम्मत 5 वर्ष पूरे होने से पहले कर दी जाए तो यह संबंधित विभाग के लिए फायदेमंद होंगा।

बूचड़खाने ले जाए जा रहे 21 गौवंश को करवाया मुक्त वाहन सहित 32 लाख का माल जब्त

गोंदिया-गोंदिया जिला गौवंश तस्करी का एक बड़ा अड्डा बन गया है। आए दिन मवेशियों को निर्दयतापूर्वक वाहनों में ठूंसकर अलग-अलग कत्तलखानों में ले जाया जा रहा है। पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई किए जाने के बावजूद इस तरह की घटनाएं प्रतिदिन सामने आ रही हैं। ताजा कार्रवाई में रावणवाड़ी एवं चिचगड़ पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में कत्तलखाने ले जाए जा रहे कुल 21 गौवंश को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया है और मवेशियों तथा वाहन सहित 32 लाख 6 हजार रूपए का माल जप्त किया है। पहली कार्रवाई रावणवाड़ी पुलिस थानांतर्गत ग्राम सावरी पेट्रोल पंप के पास की गई, जहां ट्रक क्र. एमएच-37/टी-4587 का आरोपी चालक मंगरुलपीर जिला वासिम निवासी ज्ञानेश्वर रामराव पांडुले (30) सहआरोपी ट्रक क्लिनर के साथ अपने वाहन में कुल 17 गौवंश को उनके चारों पैर बांधकर अपने वाहन में अत्यंत निर्दयतापूर्वक बिना किसी चारे-पानी की व्यवस्था किए टुंसकर ले जा रहा था। पुलिस ने 30 लाख रुपए मुल्य का ट्रक एवं 1 लाख 70 हजार रुपए मूल्य के मवेशी मिलाकर कुल 31 लाख 70 हजार रुपए का माल जप्त किया। फरियादी पुलिस हवलदार संजय रमेश चव्हाण की लिखित रिपोर्ट पर रावणवाड़ी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्र. 18/2025 प्राणी क्रूरता प्रतिबंधिक कानून की धारा 11 (1) (ड) तथा महाराष्ट्र प्राणी संरक्षण अधिनियम की धारा 5 (अ) 9 (अ) के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक अंबुरे कर रहे हैं। दूसरी कार्रवाई चिचगड़ पुलिस ने 12 जनवरी को की। जहां ग्राम मिसपिरी निवासी आरोपी वाहिद नसुरूद्दीन कुरैशी के कब्जे से गौवंश प्रजाति के चार मवेशियों को जंगल परिसर से मुक्त कराया गया। मवेशियों को बिना चारे-पानी की व्यवस्था किए नागोटोला परिसर में बांधकर रखा गया था। फरियादी पुलिस हवलदार ब्रजलाल शंभु मरस्कोल्हे फरियादी पुलिस हवलदार ब्रजलाल शंभु मरस्कोल्हे की रिपोर्ट पर चिचगड़ पुलिस ने अपराध क्र. 4/2025 प्राणी निर्दयता प्रतिबंधक कानून एवं महाराष्ट्र पशु संवर्धन अधिनियम की विविध धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इस प्रकरण की जांच पुलिस नायक पोले कर रहे है।

जुआ अड्डे पर छापा, सवा लाख का माल जब्त देवरी पुलिस की कार्रवाई

गोंदिया-देवरी पुलिस ने जुआ अड्डे पर छापामार कार्रवाई करते हुए नकद राशि सहित कुल 1 लाख 30 हजार 550 रुपए का माल जब्त किया है। यह कार्रवाई 11 जनवरी को देर शाम की गई। देवरी पुलिस को गुप्त जानकारी मिली कि शेडेपार रोड़ सानगड़ी में ताश पत्तों पर जुआ खेला जा रहा है। जिसके बाद पुलिस ने घटना स्थल पर दबिश दी। जहां देवरी के वार्ड क्रमांक 13 निवासी आरोपी दीपक अशोक गेडाम (25), फुटाना निवासी आरोपी प्रभू केशव मेश्राम (25), परसोड़ी निवासी आरोपी स्वप्निल भोजराज वालदे (27), वार्ड क्रमांक 9 निवासी अंकित अनिल पेटकुले (27) एवं वार्ड क्रमांक 13 निवासी आरोपी भीमलेश रामचंद्र आचले (21) को जुआ खेलते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया। पुलिस ने उनके पास से 2 हजार 100 रुपए नकद, आरोपी क्रमांक 1 के जेब से 750 रुपए नगद, आरोपी क्रमांक 2 के पास से 5 हजार रुपए कीमत का सैमसंग कंपनी का मोबाइल एवं जेब से 1 हजार 500 रुपए नकद, आरोपी क्रमांक 3 के पास से 4 हजार रुपए कीमत का ओप्पो कंपनी का मोबाइल एवं जेब से 1 हजार रुपए, आरोपी क्रमांक 4 के पास से 15 हजार रुपए कीमत का विवो कंपनी का मोबाइल एवं जेब से 3 हजार 200 रुपए नगद, 25 हजार रुपए कीमत का बजाज कंपनी का दुपहिया वाहन क्रमांक एम.एच. 35/ए.एम. 0667, आरोपी क्रमांक 5 के पास से 13 हजार रुपए कीमत का विवो कंपनी का मोबाइल, 40 हजार रुपए कीमत का दोपहिया वाहन क्रमांक एम.एच.49/क्यू. 8346 एवं घटना स्थल से 20 हजार रुपए कीमत का दोपहिया वाहन क्रमांक एमएच- 35/यू-8890 को जब्त किया है। इस प्रकार देवरी पुलिस ने 1 लाख 30 हजार 550 रुपए का माल जब्त किया है। फरियादी पुलिस हवलदार अनिलकुमार हरिश उके की शिकायत पर देवरी पुलिस ने अपराध क्रमांक 19/2025, धारा 12 अ, महाराष्ट्र जुआ बंदी कानून के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस हवलदार करंजेकर कर रहे हैं।

डिपो में सड़क सुरक्षा दिवस मनाया

गोंदिया-राज्य परिवहन महामंडल (एसटी) के गोंदिया डिपो में शनिवार को राष्ट्रीय मानव तस्करी रोकथाम दिवस व सड़क सुरक्षा दिन के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. डिपो में दोनों कार्यक्रम एक साथ मनाकर जनजागृति अभियान की शुरुआत की गई. यातायात नियंत्रण कक्ष की ओर से बस स्टैंड पर दोपहर 12 बजे पथनाट्य के माध्यम से आम जनता में सड़क सुरक्षा नियमों के विषय में जनजागृति की गई. बड़ी संख्या में उपस्थित यात्रियों ने इस पथनाट्य की सराहना करते हुए इसे जनजागृति का प्रभावी माध्यम बताया. इसके पश्चात डिपो प्रबंधक येतिश कटरे के कार्यालय के समक्ष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें डिपो प्रबंधक येतिश कटरे, एड. मंगला बंसोड़, अधि. प्रीति तुरकर, अधि. एकता गणवीर, प्रादेशिक परिवहन अधिकारी नागदेवे व यातायात नियंत्रक जफर अली सैय्यद द्वारा राष्ट्रीय मानव तस्करी दिवस व सड़क सुरक्षा माह के संबंध में अपने विचार रखे गए. संचालन यातायात नियंत्रक कीर्तिकुमार गुप्ता ने किया व आभार निलेश तिवारी ने माना. सफलतार्थ विभागीय भंडार अधिकारी नागपुरे, यातायात निरीक्षक गीता आंबाडारे, प्रीति शिवहरे, वरखड़े, आनंद डोंगरे ने प्रयास किया.

चूहा मार खाकर युवक की आत्महत्या

गोंदिया-देवरी तहसील के शिलापुर ग्राम पंचायत के तहत आने वाले बेलघाट/मेहताखेड़ा के युवक ने चूहा मारने की दवा खा ली. उसे इलाज के लिए गोंदिया के शासकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया. जहां इलाज के दौरान 12 जनवरी को उसकी मौत हो गई. मृत युवक का नाम सचिन देवाजी भोयर (21) बताया गया है. देवरी थाने के तहत बेलघाट/मेहताखेड़ा निवासी सचिन भोयर देवरी स्थित शिवम टी.वी.एस. शोरूम में काम करता था. उसने अचानक चूहा मारने की दवा खा ली. देवरी के ग्रामीण अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे आगे के इलाज के लिए गोंदिया के शासकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया. जहां 12 जनवरी को सुबह करीब 6 बजे इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई. आत्महत्या का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है. देवरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

लोकेश(कल्लू) यादव पर प्राण घातक हमला मास्टरमाइंड आरोपी प्रशांत मेश्राम 1 वर्ष से फरार

बुलंद गोंदिया। पूर्व पार्षद लोकेश (कल्लु) सुंदरलाल यादव पर गत वर्ष 11 जनवरी 2024 को गोली चलाकर जान से करने का प्रयास किया गया था जिसे एक वर्ष हो चुका है, लेकिन अब भी इस प्राण घातक हमले का मुख्य मास्टरमाइंड आरोपी प्रशांत मेश्राम पुलिस की हिरासत में नहीं आ पाया है तथा एक वर्ष से फरार चल रहा है। जिसे जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग स्वाती लोकेश यादव द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर की गई है।

गौरतलब है की 11 जनवरी 2024 को पूर्व पार्षद लोकेश कल्लू यादव अपने सिंधी कॉलोनी स्थित निवास के समीप से जा रहे थे इसी दौरान उसे पर गोली चलाकर जान से करने का प्रयास किया गया था। जिसमें गोली चलाने वाले आरोपियों को तो पुलिस ने गिरफ्तार कर ली थी लेकिन लोकेश यादव की हत्या करने के लिए सुपारी देकर षड्यंत्र रचने वाले मुख्य आरोपी प्रशांत मेश्राम को अब तक पुलिस गिरफ्तार नहीं की पाई है। तथा वह एक वर्ष से पुलिस महकमें को चकमा देकर फरार चल रहा है जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। जिसे देखते यह संका व्यक्त की जा रही है कि पुलिस द्वारा मुख्य आरोपी की तलाश करना भी छोड़ दिया है तथा यह शातिर आरोपी द्वारा अब तक अनेकों बार उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत की याचिका भी दाखिल की गई है लेकिन माननीय न्यायालय द्वारा याचिका को रद्द किया गया है। स्वाती लोकेश यादव ने पुलिस अधीक्षक के नाम व शहर पुलिस निरीक्षक को ज्ञापन देते हुए मांग की है कि आरोपी से उनके परिवार पर संकट बना हुआ है जिसे जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार किया जाए।

जिला शल्य चिकित्सक अमरीश मोहबे जांच प्रकरण में अब तक कार्रवाई नहीं विरोध स्वरूप वरिष्ठ अधिकारियों को डॉक्टर वाजपेई ने भेजी चूड़ियां

बुलंद गोंदिया। गोंदिया के जिला शल्य चिकित्सक डॉक्टर अमरीश महोबे के खिलाफ विभिन्न भ्रष्टाचार के मामले के संदर्भ में शिकायत की गई थी जिसमें सबूत व रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को सौंप गई है, किंतु अब तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई न होने पर शिकायतकर्ता डॉक्टर नितेश वाजपेई द्वारा विरोध स्वरूप वरिष्ठ अधिकारियों को चूड़ियां भेज कर उनका निषेध किया है।

गौरतलब है की गोंदिया के जिला शल्य चिकित्सक डॉ अमरीश मोहबे द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान 30 मृत लोगों को फिटनेस सर्टिफिकेट देने, फर्टिलिटी दंपति को इनफर्टिलिटी प्रमाण पत्र देने तथा जिले में अवैध सोनोग्राफी वह अवैध नर्सिंग होम को मंजूरी देने, फर्टिलिटी अविवाहित लड़कियों से पैसे लेकर अवैध गर्भपात की मंजूरी देने जिले में कार्यरत डॉक्टरों से अवैध वसूली वह विभिन्न भ्रष्टाचार के मामलों में मोहबे पर करीब आधा दर्जन से अधिक जांच समितियां की जांच की

रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को दी जा चुकी है किंतु जिला शल्य चिकित्सक मोहबे पर वरिष्ठ अधिकारी मेहरबान क्यों है तथा उनकी क्या साठगाठ है जिससे उन पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई तथा उनका तबादला होने के बावजूद वह गोंदिया में ही अब तक अपने पद पर बने हुए हैं। जिससे वरिष्ठ अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्न चिन्ह बना रहा है। उल्लेखनीय है कि मोहबे अपने डिमोशन व तबादले पर मेट कोर्ट से स्टे आर्डर लाकर गोंदिया में ही जमे हुए हैं जिससे यह साबित होता है कि गोंदिया जिले में उन्होंने अपनी बड़े पैमाने पर अवैध कमाई का जो नेटवर्क बना रखा है उसे वह छोड़ने के इच्छुक नहीं है। जिससे जिला स्वास्थ्य विभाग एक भ्रष्टाचार का भारी अड्डा बना हुआ है तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कार्रवाई न किए जाने के चलते शिकायतकर्ता डॉ नितेश वाजपेई द्वारा स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों जिसमें प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग के कमिश्नर वह डायरेक्टर को 10 जनवरी को पोस्ट से चूड़ियां भेज कर अपना विरोध व्यक्त किया है तथा इस प्रकरण में जल्द से जल्द कार्रवाई न होने पर आगे और आंदोलन का कड़ा रुख अपनाने का चेतावनी बाजपेई द्वारा राज्य सरकार के वरिषअधिकारियों को दिया है।

जमानत पर छूटे हत्या के आरोपी बेटे ने लगा ली फांसी

भंडारा - जमीन के विवाद में पिता की हत्या करने के बाद जेल से जमानत पर छूटे दुर्योधन कावले (37) ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. यह घटना अड्याल थानाक्षेत्र के ग्राम फनोली में 13 जनवरी को अपराह्न करीब 4 बजे प्रकाश में आई. पुलिस के अनुसार, दुर्योधन ने 2022 में अपने पिता शंकर कावले की कुल्हाड़ी से वार करके हत्या कर दी थी. वह 6 माह से जेल में था. हाल ही में उसके ससुर ने उसकी जमानत करवाई थी. उक्त प्रकरण अब भी भंडारा के न्यायालय में चल रहा है. फनोली स्थित अपने घर आने के बाद से वह मानसिक तनाव में था. उसकी पत्नी पुष्पा (30) मेहनत-मजदूरी करके अपने 2 बच्चों समेत परिवार का पेट भर रही थी. दुर्योधन अपनी पत्नी पुष्पा पर ही आश्रित था. शराब का आदी दुर्योधन कोई काम-धंधा नहीं करता था और घर के लोगों के साथ लड़ाई- झगड़ा, मारपीट करता था. 2 दिन पूर्व उसने अपने भाई से झगड़ा करके मारपीट की थी. यह मामला पुलिस तक जा पहुंचा था. इसी बीच, 13 जनवरी की सुबह करीब 10 बजे बच्चों के स स्कूल व पत्नी के काम पर चले जाने के बाद दुर्योधन ने घर में ही फांसी लगा ली. अपराह्न को करीब 4 बजे, पुष्पा के लौटने पर घटना उजागर हुई. अड्याल पुलिस ने पुष्पा की शिकायत पर आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया. थानेदार धनंजय पाटिल के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस उपनिरीक्षक सुभाष मस्के मामले की जांच कर रहे हैं.

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मिलती छात्रों को प्रेरणा

प्रा.अजय भिवगडे कनिष्ठ महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव में प्रतिभावान छात्रों को किया सम्मानित

बुलंद गोंदिया। शिक्षण महर्षि मनोहर भाई पटेल द्वारा स्थापित गोंदिया शिक्षण संस्था द्वारा संचालित नटवरलाल मानिकलाल दलाल महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव में प्राध्यापक अजय भिवगडे ने अपने संबोधन में कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों से छात्रों को प्रेरणा मिलती है तथा इस अवसर पर प्रतिभावान छात्रों को भी सम्मानित किया गया। गौरतलब है की स्कूल कॉलेज के वार्षिक उत्सव से विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतिभाएं निखरकर सामने आती है. इसी प्रकार शिक्षा महर्षि मनोहर भाई पटेल द्वारा शुरू की गई गोंदिया शिक्षण संस्था के द्वारा संचालित नटवरलाल मानिक लाल दलाल महाविद्यालय में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिवर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2024- 25 के सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित प्रा अजय भिवगडे ने अपने संबोधन में कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास व उनकी उन्नति के लिए वार्षिक उत्सव प्रोग्राम महत्वपूर्ण है साथ ही गोंदिया शिक्षण संस्था के मार्गदर्शक प्रफुल्ल पटेल, संस्था अध्यक्ष वर्षा पटेल, सचिव राजेंद्र जैन, संचालक निखिल जैन के नेतृत्व में छात्रों के उज्जवल भविष्य काकार्य निरंतर संस्था द्वारा किया जा रहा है तथा उनसे प्राप्त प्रेरणा से छात्रों की प्रतिभाओं में निखार लाने का कार्य किया जा रहा है।

अज्ञात चोर ने दोपहिया उड़ाई

गोंदिया

नवेगांवबांध थानांतर्गत येरंडी/देवलगांव से किसी अज्ञात चोर ने सूना मौका पाकर गड़चिरोली जिला अंतर्गत ग्राम कोहडी निवासी फरियादी सुरेश माखंड गोंडाने (40) का दोपहिय दोपहिया क्रमांक एमएच 33 एजी 3255 चुरा लिया। इसकी कीमत 75 हजार रुपए बताई गई है। यह घटना 12 जनवरी को प्रकाश में आई। फरियादी की रिपोर्ट पर नवेगांवबांध पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस हवलदार कैलाश जुमनाके कर रहे हैं।

टेबल पर लहसुन के पत्ते दो परिचयों को किया निलंबित आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों अधिकारी व कर्मचारीयो को अभय जिप मुख्य कार्यपालन अधिकारी की दोहरी नीति

बुलंद गोंदिया-गोंदिया जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग में दो परिचयों की टेबल पर लसूण के पत्ते पाए जाने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा उन्हें निलंबित किया गया वहीं विधानसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन कर बांधकाम विभाग के अधिकारि व कर्मचारियों द्वारा बैक डेट में वर्क आर्डर जारी करने पर उन पर अब तक कार्रवाई नहीं किए जाने तथा उन्हें अभय प्रदान करने के चलते जिपके मुख्य कार्यपालन अधिकारी की दोहरी नीति सामने आ रही है जिससे जिला परिषद परिसर में इस संदर्भ में चर्चा चल रही है। गौरतलब की है स्वच्छ कार्यालय अभियान के अंतर्गत जिला परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर कार्यालय का निरीक्षण कार्यवाही की जा रही है। इसी के अंतर्गत 9 जनवरी को स्वास्थ्य विभाग का निरीक्षण करने पर दो महिला परिचय लिल्हारे व उके के समीप टेबल पर लहसुन के पत्ते पाए जाने पर उन्हें निलंबित किया गया। इस संदर्भ में जानकारी प्राप्त हुई की लिल्हारे नमक परिचय के घर में लहसुन के पत्ते होने पर उसने अपने सहयोगी महिला कर्मचारी

परिचय को लाकर दिया था जिसे उन्होंने टेबल पर रखा था लेकिन इसी दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के निरीक्षण में लहसुन के पत्ते कार्यालय समय पर पास में दिखाई देने पर उन्हें निलंबित किया गया। आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं विधानसभा चुनाव के समय जिला परिषद बांधकाम विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों वह ठेकेदारो द्वारा साठगाठ कर बांधकाम विभाग के ऊपरी मंजिल पर एक खाली कक्ष में बड़े पैमाने पर बैक डेट में वर्क आर्डर जारी किए गए थे। जिस संदर्भ में मुख्य कार्यपालन अधिकारी को जानकारी भी दी गई थी वह समाचार पत्रों में इस संदर्भ में समाचार भी प्रकाशित हुए थे लेकिन उस मामले में कार्रवाई नहीं किए जाने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी वह वरिष्ठ अधिकारियों की दोहरी नीति सामने आईरही है। इस मामले में जिला परिषद परिसर में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों व अन्य लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है कि छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाती है वहीं बड़े अधिकारियों की बड़ी गलती होने पर भी उन्हें अभय दिया जाता है। कार्रवाई हो एक समान जिला परिषद परिसर में स्वच्छ कार्यालय व स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान के अंतर्गत जांच अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें समय-समय पर कार्रवाई की जा रही है इसके साथ भी अन्य मामलों में कार्रवाई की जाती है लेकिन जिला परिषद में छोटे बड़ों का भेद कर कार्रवाई में पक्ष पात हमेशा किया जाता है। जिससे जिला परिषद के छोटे कर्मचारियों व आने वाले नागरिकों में आए दिन चर्चा का विषय बना रहता है तथा चर्चा में यह बात सामने आ रही कि दोषियों पर कार्रवाई होना उचित है लेकिन सभी प्रकार के दोषियों पर कार्रवाई एक समान होनी चाहिए।

मांजा से 2 युवाओं की गर्दन कटी

लाखनी फ्लाईओवर और तुमसर के देवाड़ी में हुई घटनाएं

लाखनी/तुमसर-नायलॉन मांजा पर प्रतिबंध होने के बावजूद इसका उपयोग कई स्थानों पर धड़ल्ले से किया जा रहा है. यह खतरनाक मांजा अब जानलेवा साबित हो रहा है. ऐसा ही एक दर्दनाक हादसा 13 जनवरी की शाम लाखनी फ्लाईओवर पर हुआ. जहां 24 वर्षीय युवक शुभम जियालाल चौधरी (निवासी गोरेगांव) नायलॉन मांजे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया. शुभम मकर संक्रांति के अवसर पर भंडारा से गोंदिया स्थित अपने गांव जा रहा था. इसी दौरान, लाखनी के फ्लाईओवर पर किसी कटी हुई पतंग के मांजा ने उसकी गर्दन को बुरी तरह से चीर दिया. स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया. फिलहाल, शुभम का इलाज भंडारा के एक निजी अस्पताल में चल रहा है. हर साल मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के दौरान नायलॉन मांजे का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है, जो न केवल पक्षियों को बल्कि अब इंसानों के लिए भी घातक साबित हो रहा है. शुभम जैसे हादसे यह दिखाते हैं कि प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद, नायलॉन मांजे की बिक्री और उपयोग पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पाई है. वहीं तुमसर समीपस्थ देवाड़ी में मांजा से गला कटने से युवक गंभीर रूप से जख्मी हुआ. उसे इलाज के लिए उपजिला

अस्पताल में भरती कराया गया है. मोहाड़ी तहसील के मोहगांव (करडी) निवासी मनोज भोजराम कड़व तुमसर से गांव की ओर वापस लौट रहे थे. जब देवाडी उड़ान पुल से उसकी गाड़ी नीचे उतर रही थी, तब पतंग के मांजा से उनका गला कट गया. उन्हें इलाज के लिए स्थानीय उपजिला अस्पताल में भरती कराया गया है, अब उनकी हालत स्थिर है. प्रत्येक वर्ष पतंग के मांजे से अनेक घटनाएं होती है फिर भी युवक पतंग उड़ाने के लिए मांजे से पतंग उड़ाते हैं.

मांजा के उपयोग पर सख्त कार्रवाई की मांग

इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से नायलॉन मांजे की बिक्री और उपयोग पर सख्त कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने विक्रेताओं पर सख्त कार्रवाई और प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने की अपील की है.

ट्रेनों में अनाधिकृत वेंडरों की रोकथाम के लिए की कार्रवाई

गोंदिया-रेलवे द्वारा अधिकृत वेंडरों द्वारा ट्रेनों तथा स्टेशनों में गुणवत्तायुक्त खानपान की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है. रेलवे प्रशासन स्टेशनों व टूनों में यात्रियों को उपलब्ध कराई गई खानपान की गुणवत्ता को बरकरार रखने तथा उसमें लगातार सुधार के लिए प्रतिबद्ध है. रेल यात्रा के दौरान यात्रियों को अनाधिकृत वेंडरों के कारण होने वाली असुविधाओं को दूर करने की दृष्टि से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल द्वारा निरंतर जांच अभियान चलाये जा रहे हैं. दपूम नागपुर रेलवे मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह के दिशानिर्देश पर आरपीएफ के सहयोग से वाणिज्य निरीक्षक व टिकट चेकिंग कर्मियों द्वारा विभिन्न ट्रेनों तथा प्रमुख स्टेशनों में अनाधिकृत वेंडरों की रोकथाम के लिए नियमित रूप से विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है. इसी कड़ी में 13 जनवरी को विशेष जांच अभियान के दौरान ट्रेन क्र. 12809 मुंबई - हावड़ा मेल के सामान्य कोच में 3 अनाधिकृत वेंडरों को पकड़ा गया जिन्हें रेलवे एक्ट धारा-144 के नियमानुसार कार्रवाई के लिए रेल सुरक्षा बल, राजनांदगांव को सौपा गया. इस अभियान को स्टेशनों में भी चलाया जा रहा है जिसके तहत गोंदिया स्टेशन पर 2 अनाधिकृत वेंडरों को पकड़ा गया और इन्हें भी आगे की के लिए रेल सुरक्षा बल, गोंदिया के सुपुर्द किया गया.

सांसद पडोले ने कम करवायी स्पीड ब्रेकर की ऊंचाई

साकोली-शहर से लाखांदुर-वडसा मार्ग पर नवनिर्मित सड़क पर बनाए गए स्पीड ब्रेकर की ऊंचाई के कारण अनेक वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हुए है, मात्र लोक निर्माण विभाग व संबंधित अधिकारी इस ओर अनदेखी कर रहे है। हाल ही में क्षेत्र के दौरे पर आए सांसद डॉ. प्रशांत पडोले ने लाखांदुर- वडसा मार्ग पर बने स्पीड ब्रेकर की ऊंचाई की समस्या का संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों को इसका तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। सांसद पडोले के सुझाव पर हाईवे इंजीनियर ने तुरंत ट्रैफिक जाम की ऊंचाई कम कर दी और उन पर दिशात्मक पट्टियां लगा दीं, ताकि वाहन चालक उन्हें आसानी से देख सकें। सांसद पडोले की इस तत्परता से वाहन चालकों की परेशानी कम हुई है और दुर्घटनाएं टलेगी, ऐसा विश्वास क्षेत्र के नागरिकों ने जताया है। सांसद पडोले की इस तत्परता से वाहन चालक काफी राहत महसूस कर रहे है।

वैनगंगा पतंग महोत्सव मनाया

भंडारा-द लॉर्ड्स पब्लिक स्कूल भंडारा में वैनगंगा बचाव अभियान के अंतर्गत वैनगंगा पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. पालीवाल सर और नितिन तुमाने के शुभ हाथों से किया गया. वैनगंगा नदी के प्रदूषित पानी और प्रदूषण को रोकने और शासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से साथ ही भारतीय संस्कृति को संरक्षित करने के लिए यह पतंग महोत्सव 2020 से शुरू

किया गया था. इस अवसर पर लॉर्ड पब्लिक स्कूल के सचिव डॉ. पालीवाल सर, समिति के प्रमुख नितिन तुमाने, हिमांशू मेंढे, आशिष दलाल, राजेश सर, कमाल साठवने, तेजस दलाल, मोहित रणदिवे, अवि हेडाऊ, अनुराग तिवारी, अभिषेक गणवीर, सत्यपाल भाजीपाले, मनोज निनावे, विनोद घटोले, दिव्यांशू मनापुरे, जयेश तीतिरमारे और विद्यार्थी प्रमुख रूप से उपस्थित थे. आभार राजेश सर ने माना.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।